RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

विक्रेताओं से बने, क्या प्यारे संबंध।
तभी प्लास्टिक डोर पर, नहीं सख़्त प्रतिबंध।
नहीं सख़्त प्रतिबंध, बिक रही खुल्लम खुल्ला।
वाट्सएप पर कहें, मिले घर बैठे गुल्ला।
कह साहिल कविराय, बचे खुद जनता सारी।
बिल्कुल भी है नहीं, हमारी ज़िम्मेदारी।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 04 | THURSDAY 15-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

एमसी चंडीगढ़ का बड़े स्तर पर अतिक्रमण विरोधी अभियान, 123 चालान जारी

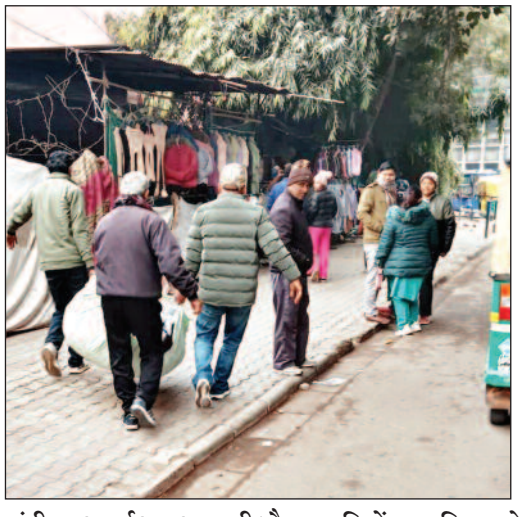

- नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह नगर निगम के नियमों और प्रावधानों के तहत की गई।

चंडीगढ़/यूटर्न/14/जनवरी। पैदल यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) ने मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़े स्तर पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सेक्टर-22, 19, 17, 46, 47 और मनीमाजरा में की गई। नगर निगम की प्रवर्तन टीमों द्वारा चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाना और व्यस्त बाजारों व व्यावसायिक क्षेत्रों में अतिक्रमित गलियारों को खाली कराना था। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण कर अवरोध उत्पन्न करने वाले नियम उल्लंघनकताओं के खिलाफ कुल 123 चालान जारी किए गए। अभियान के तहत कई अवैध रेहड़ियों और अस्थायी ढांचों को हटाया गया, जबकि बाजारों के गलियारों को खाली कराकर आम लोगों के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित किया गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह नगर निगम के नियमों और प्रावधानों के तहत की गई। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार (आईएएस) ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न केवल यातायात और पैदल यात्रियों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करता है, बल्कि यह लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता है। उन्होंने दुकानदारों, रेहड़ी-फड़ी वालों और आम नागरिकों से नगर निगम का सहयोग करने और अवैध अतिक्रमण से बचने की अपील की।

Celebrate your Birthday or Anniversary with UTURN TIME in association with

Hot Breads

0161-4603333, 5012222

2 LUCKY WINNERS WILL GET CAKE WORTH OF ₹1200 EACH

*WINNERS WILL BE DECIDED THROUGH LUCKY DRAW *T&C

FOR MORE DETAILS, CALL: 99882-20063, 98142-95372
janhetaishi@gmail.com, hetaishinews@gmail.com

All rights about Distribution & Offer will be reserved by U-TURN TIME MANAGEMENT Only.

5,460 करोड़ की 42 प्रीमियम साइटों की मेगा ई-नीलामी से 2026 की शुरूआत

14 जनवरी से 11 फरवरी तक गमाडा की बड़ी पेशकश, निवेशकों व घर खरीदारों के लिए सुनहरा मौका

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। पंजाब में योजनाबद्ध शहरी विकास और निवेश को नई गति देते हुए ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) वर्ष 2026 की पहली मेगा ऑनलाइन नीलामी लेकर आई है। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि 5,460 करोड़ रुपये मूल्य की 42 प्रमुख साइटों की ई-नीलामी 14 जनवरी से 11 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। यह नीलामी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में अपनाई गई निवेशक-हितैषी और पारदर्शी नीतियों का बड़ा उदाहरण है।

मोहाली बना उत्तर भारत का उभरता निवेश केंद्र

'इन्वेस्ट मोहाली 2026' के तहत यह नीलामी मोहाली को उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते निवेश केंद्र के रूप में और मजबूत कर रही है। वर्तमान में मोहाली में 50 से 60 हजार पेशेवर कार्यरत हैं और अगले पाँच वर्षों में आई.टी. व जी.सी.सी. सेक्टर में रोजगार के दोगुना होने की संभावना है। आई.एस.बी., आई.आई.एस.ई.आर. सहित 27 से अधिक शिक्षण संस्थानों से हर साल 40 हजार से अधिक कुशल छात्र निकल रहे हैं। कम लागत, बेहतर कनेक्टिविटी, सिंगल विंडो क्लीयरेंस और उच्च गुणवत्ता वाला शहरी जीवन मोहाली की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। फोर्टिस हेल्थकेयर, इन्फोसिस, सेमीकंडक्टर मिशन और ताज व आई.टी.सी. जैसे होटल प्रोजेक्ट्स में हो रहे बड़े निवेश इस बात के प्रमाण हैं कि पंजाब विकास के निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है। गमाडा की यह मेगा ई-नीलामी न केवल रियल एस्टेट सेक्टर को नई ऊर्जा देगी, बल्कि पंजाब के आर्थिक और शहरी विकास को भी मजबूत आधार प्रदान करेगी।

सीएचसी ढकोली के बाहर बिजली के खंभे को वाहन ने मारी टक्कर

जीरकपुर, यूटर्न, 14 जनवरी। ढकोली कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के बाहर मंगलवार देर रात एक अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि खंभा टूटकर नीचे की ओर झुक गया। हालांकि बिजली तारों की पकड़ बने रहने से खंभा पूरी तरह सड़क पर नहीं गिरा, जिससे किसी बड़े हादसे से बचाव हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद सुरक्षा

कारणों के चलते सड़क की एक लेन को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा, जिससे आम लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पहले से ही रेलवे फाटक की समस्या से जूझ रहे क्षेत्र में यातायात और अधिक प्रभावित हो गया।

बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई...सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एहतियातन संबंधित फीडर की बिजली सप्लाई बंद की गई। बाद में प्रभावित क्षेत्र को दूसरे फीडर से जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई, ताकि लोगों को लंबे समय तक बिजली कटौती न झेलनी पड़े। विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए खंभे को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया।

Happy Birthday

Jaskaran

Happy Birthday

काका युग्गनवाज सिंह चहल

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने पीएसईआरसी के नव-नियुक्त सदस्य रवि कुमार को दिलाई शपथ

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज स्थानीय निकाय भवन, सेक्टर-35, चंडीगढ़ में आयोजित एक सादे एवं गरिमामय समारोह में पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग (पीएसईआरसी) के नव-नियुक्त सदस्य रवि कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के उपरांत रवि कुमार ने कहा कि वे अपनी योग्यता, निष्ठा और पूर्ण समर्पण के साथ आयोग की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा पारदर्शिता

और सौहार्दपूर्ण कार्य-संस्कृति को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और राज्य के बिजली क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए वे निष्पक्ष एवं जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर पीएसईआरसी के अध्यक्ष विश्वजीत खन्ना, बिजली विभाग के सचिव बसंत गर्ग (आईएएस), आयोग एवं बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा रवि कुमार के पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित गणमान्यजनों ने रवि कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं और उनसे पंजाब के बिजली नियमन क्षेत्र में प्रभावी योगदान की अपेक्षा व्यक्त की।

ड्रैगन डोर का इस्तेमाल करना और बेचना कानूनन जुर्म: SSP अंकुर गुप्ता

उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जनवरी। लोहड़ी और बसंत पंचमी के त्योहारों को देखते हुए, लुधियाना देहात के सरद डॉ. अंकुर गुप्ता ने कहा कि पतंग उड़ाते समय ड्रैगन डोर, इस चीन खतरनाक डोर का इस्तेमाल करना

और बेचना कानूनन जुर्म है और इस पर पूरी तरह से बैन है। यह वायर न सिर्फ इंसानी जान के लिए बल्कि पक्षियों और जानवरों के लिए भी खतरनाक है। सरद डॉ. अंकुर गुप्ता ने कहा कि हाल के सालों में चाइना वायर की वजह से कई गंभीर हादसे हुए षसहैं, जिनमें झनयुवाओं का गला घोंटने, दोपहिया वाहन सवारों के घायल होने और पक्षियों के मरने की घटनाएं शामिल हैं। इसलिए, इस बार जिला पुलिस हालात पर कड़ी नजर रखेगी। उन्होंने साफ किया कि त्योहारों के सीजन में पुलिस टीमें ड्रोन कैमरों की मदद से इलाकों पर नजर रखेंगी और जरूरत पड़ने पर छतों की भी चेकिंग की जाएगी। अगर कोई चाइना डोर का इस्तेमाल करता हुआ पाया गया या कोई दुकानदार इसे बेचता हुआ पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत केस दर्ज किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरद ने पेरेंट्स से भी खास तौर पर सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पेरेंट्स अपने बच्चों पर नजर रखें और पक्का करें कि वे सुरक्षित और धागा डोर से ही पतंग उड़ाएं। उन्होंने कहा कि किसी की जान खतरे में डालकर त्योहार नहीं मनाए जा सकते। सरद डॉ. अंकुर गुप्ता ने लोगों से पुलिस का सहयोग करने, कानून का पालन करने और लोहड़ी और बसंत पंचमी के त्योहार शांति, सुरक्षा और खुशी के साथ मनाने की अपील की।

लोहड़ी पर कांपी सिटी, 13 जनवरी को 13 साल की सबसे सर्द रात; शिमला से भी ज्यादा ठंडा रहा चंडीगढ़

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। इस बार लोहड़ी के दिन चंडीगढ़ में ठंड ने बीते 13 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 13 जनवरी को शहर में दर्ज न्यूनतम तापमान ने पिछले 13 साल में इस तारीख का सबसे निचला स्तर छू लिया। दिन के समय हल्की धूप के बावजूद सुबह और रात की ठिठुरन ने आम जनजीवन को प्रभावित किया। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को चंडीगढ़ का न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री से अधिक कम रहा। हैरान करने वाली बात यह रही कि राजधानी की रात पहाड़ी शहर शिमला से भी कहीं ज्यादा ठंडी रही। जहां शिमला में न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं चंडीगढ़ में तापमान उससे लगभग तीन गुना नीचे रहा।

सुबह तड़के शहर घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में रहा। दिन चढ़ने के साथ हल्की धूप जरूर निकली, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली, लेकिन शाम ढलते ही एक बार फिर ठंड का असर तेज हो गया और देर रात तक शहर कोहरे की चादर में लिपटा रहा।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 फिक्की फ्लो लुधियाना की पहल: वंचित बच्चों संग...

निगम SE पर रिश्तेदार महिला से 35.35 लाख की ठगी मारने के आरोप, डीजीपी को हुई शिकायत

पीड़ित महिला का आरोप, ऊंची पहुंच के चलते कार्रवाई नहीं होने दे रहे रणजीत सिंह

लुधियाना/यूटर्न/15 जनवरी। नगर निगम के अधिकारी कभी अवैध इमारतें बनवाने को लेकर चर्चा में रहते है, तो कभी अपने अन्य अवैध कार्यो को लेकर सुर्खियों में बनते हैं। अब एक ताजा मामला निगम एसई व एमटीपी रणजीत सिंह का सामने आया है। जिसमें रणजीत सिंह पर एक महिला ने 35.35 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप लगाए हैं। यह ठगी गांव गिल में प्लॉट की आड़ में की गई। जिसमें रणजीत सिंह द्वारा मर चुके व्यक्ति की जमीन की स्पेशल पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए एक ही प्लॉट पहले रिश्तेदार महिला को बेचा और वहीं प्लॉट एक पुलिस मुलाजिम को भी बेचकर पैसे हड़प कर लिए। इस संबंधी पीड़ित महिला गांव गिल की रहने वाली जसविंदर कौर द्वारा डीजीपी पंजाब को शिकायत दी गई। डीजीपी द्वारा जांच के लिए शिकायत को पुलिस कमिश्नर लुधियाना ऑफिस में भेज दिया गया है। हालांकि महिला का यह भी आरोप है कि इसी ठगी के सदमे में उनकी सास की मौत हो गई। इस शिकायत के सामने आने के बाद शहर में चर्चाएं छिड़ गई है।

एसई रणजीत सिंह

सदमे से सास की हुई मौत, पति बीमार...पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने अपनी सारी जमा पूंजी उक्त प्लॉट को खरीदने के लिए लगा दी। लेकिन ठगी का पता चलने के बाद उसनी सास बीमार रहने लगी और इसी सदमे से उनकी मौत हो गई। वहीं उनके पति भी इस सदमे के कारण डिप्रेशन में जा चुके हैं।

रणजीत सिंह ने खुद कॉल कर प्लॉट लेने को मनाया

पीड़िता जसविंदर कौर ने बताया कि रणजीत सिंह नगर निगम में एसई व एमटीपी के पद पर तैनात है। वह उनका जानकार है। जिसके चलते कुछ साल पहले रणजीत सिंह ने उन्हें फोन किया। रणजीत सिंह ने उनके घर के साथ एक 265.22 गज का प्लॉट बेचने के लिए संपर्क किया। जिस पर उन्होंने सहमति जताई।

झूठ बोलकर तैयार करवाई स्पेशल अटॉर्नी

पीड़िता का आरोप है कि उक्त जमीन गांव गिल के अवतार सिंह की है, जो यूएसए में रहते थे और काफी समय पहले मर चुके हैं। उक्त जमीन की पावर ऑफ अटर्नी गांव गिल के करमजीत सिंह के नाम पर थी। करमजीत सिंह ने वहीं जमीन की स्पेशल अटॉर्नी रणजीत सिंह के नाम पर करवा दी। पीड़िता का आरोप है कि बाद में उन्हें पता चला कि करमजीत सिंह द्वारा मर चुके व्यक्ति की झूठ बोलकर फर्जी तरीके से जाली पावर ऑफ अटॉर्नी सब रजिस्टरार ऑफिस जालंधर से तैयार करवाई और उसी के आधार पर स्पेशल अटार्नी रणजीत सिंह के नाम पर कर दी।

पुलिस कमिश्नर को दी शिकायत, चक्कर लगा हुई परेशान

पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने मार्च 2023 में पुलिस कमिश्नर लुधियाना को शिकायत दी। लेकिन कई बार चक्कर लगाने पर भी सुनवाई नहीं हुई। फिर उन्होंने एक शिकायत चौकसी विभाग में दी। लेकिन वहां के मुलाजिमों ने कहा कि मुख्य ऑफिस से आदेश मिलने पर ही वह कार्रवाई कर सकते हैं। जिस कारण कार्रवाई नहीं हुई।

दो साल बाद प्लॉट के दूसरे मालिक आए सामने

पीड़िता का आरोप है कि दो साल बाद उनकी सास द्वारा जब प्लॉट पर निर्माण कराना शुरू किया तो पंजाब पुलिस का मुलाजिम कुलदीप सिंह निवासी पुलिस कॉलोनी, जगराओं पुल और सुरिंदर कौर मौके पर आए। उन्होंने कहा कि वह प्लॉट उनका है। उन्होंने निर्माण रुकवा दिया और पीड़िता के परिवार को धमकियां देनी शुरू कर दी। जब इस संबंधी पीड़िता ने रणजीत सिंह से संपर्क किया तो उन्होंने टाल मटोल करनी शुरू कर दी। जिसके बाद कहा कि उनकी डीजीपी तक पहुंच हैं, कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

रजिस्ट्री करवाने के लिए ड्राफ्ट व कैश में ली पेमेंट

पीड़िता का आरोप है कि रणजीत सिंह ने बताया कि उसके पास प्लॉट की स्पेशल पावर ऑफ अटॉर्नी है। जिसके चलते उन्होंने रजिस्ट्री करवाने के लिए 8.10 लाख रुपए ड्राफ्ट के जरिए और बाकी 24.50 लाख कैश में लिए। क्योंकि सरकारी कर्मी होने के चलते वह सभी पैसे कैश में नहीं ले सकते थे। आरोप है कि इसके अलावा 1.25 लाख रुपए रजिस्ट्रेशन चार्ज, 50 हजार तरतीमा चार्ज, 50 हजार निशानदेही र 50 हजार अलग अलग माल विभाग के कर्मियों को रजिस्ट्री करवाने के लिए देने की बात कहकर ले लिए। इस तरह करके रणजीत सिंह ने प्लॉट की रजिस्ट्री पीड़िता की सास अमरजीत कौर के नाम पर करवा दी।

पुलिस अधिकारी कर चुके एफआईआर की सिफारिश

वहीं मामले संबंधी पीड़िता ने जुलाई 2023 में दोबारा पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। उक्त शिकायत जांच के लिए एसीपी रविंदर सिंह के पास गई। पीड़िता के अनुसार एसीपी ने उसमें स्पष्ट लिखा कि करमजीत सिंह और रणजीत सिंह द्वारा ठगी की गई है। जिसके चलते उनके खिलाफ थाना सदर में ठगी व अन्य धाराओं के तहत एफआईआर करने की सिफारिश की। वहीं एसीपी हेडक्वार्टर ने भी मामले की जांच की और दोनों के खिलाफ कार्रवाई करने संबंधी सिफारिश की। पीड़ित का आरोप है कि रणजीत सिंह उच्च अधिकारी है। जिसके चलते उन पर एक्शन नहीं हो सका।

अपराध बढ़ा तो कांग्रेस नेता पवन दीवान का बड़ा कदम

डीजीपी को चिट्ठी लिख राज्यभर के हथियार लाइसेंसों की समीक्षा की मांग

लुधियाना, 14 जनवरी। पंजाब में लगातार बढ़ रहे अपराधों और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, लुधियाना कांग्रेस शहरी के पूर्व ज़िला अध्यक्ष व पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने बड़ा सवाल खड़ा किया है। उन्होंने डीजीपी गौरव यादव को पत्र लिखकर राज्य में पिछले वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी हथियार लाइसेंसों की समयबद्ध और पारदर्शी समीक्षा की मांग की है। पत्र की प्रति मीडिया को जारी करते हुए दीवान ने कहा कि हिंसक घटनाओं में लगातार इजाफे से आम जनता में डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। दीवान ने कहा कि हथियार लाइसेंस केवल वैध और सुरक्षित उद्देश्यों के लिए होते हैं, लेकिन कई मामलों में बाद में लाइसेंसधारक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। ऐसे सभी मामलों की रिकॉर्ड आधारित गहन जांच कर तुरंत लाइसेंस रद्द किए जाने चाहिए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के हाथों में लाइसेंसशुदा हथियार जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं और इससे पुलिस प्रशासन की साख भी प्रभावित होती है। दीवान ने डीजीपी कार्यालय को नियमित रिपोर्टिंग और निगरानी तंत्र लागू करने की भी मांग की, ताकि ज़िला स्तर पर जवाबदेही तय की जा सके।

16 जनवरी से मोहाली से शुरू होगा 'साडे बुजुर्ग, साडा मान'

पंजाब सरकार का राज्य-स्तरीय अभियान, बुजुर्गों को स्वास्थ्य, सुरक्षा व सम्मान की गारंटी

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार 16 जनवरी, 2026 को जिला एस.ए.एस. नगर (मोहाली) से राज्य-स्तरीय अभियान 'साडे बुजुर्ग, साडा मान' की औपचारिक शुरूआत करने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना है। यह जानकारी पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि यह अभियान वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं, कानूनी जागरूकता और सरकारी कल्याण योजनाओं से सीधे जोड़ने के लिए शुरू किया जा रहा है। इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की राज्य वरिष्ठ नागरिक कार्य योजना के अंतर्गत लागू किया गया है, जिसके तहत पूरे पंजाब में जिला-स्तरीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में नि:शुल्क सामान्य स्वास्थ्य जांच, ऑथोर्पेडिक, ईएनटी और नेत्र परीक्षण के साथ-साथ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सामाजिक सुरक्षा विभाग मौके पर ही पेंशन नामांकन, सीनियर सिटीजन कार्ड, एएलआईएमसीओ कार्ड जारी करेगा तथा राष्ट्रीय वयोश्री योजना की जानकारी प्रदान करेगा।

पतंग उड़ाते समय हवा में फायरिंग करने वालों के खिलाफ केस दर्ज

सुनील पांडे

लुधियाना / यूटर्न / जोधेवाल थाना इलाके में लोहड़ी के त्योहार के दौरान पतंग उड़ाते समय हवा में फायरिंग करने वाले 2 लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर जसबीर सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कुछ लोग पतंग उड़ाते और हवा में गोलियां चलाते दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मंगत कॉलोनी में लोहड़ी के त्योहार के दौरान हवा में फायरिंग करने वाले

2 आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी छत पर खड़े होकर पतंग उड़ा रहे थे और लोहड़ी के त्योहार के दौरान हवा में गोलियां चला रहे थे।

थाना इंचार्ज ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की पहचान नवजोत सिंह और मनीष कुमार के रूप में की है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। थाना इंचार्ज ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों ने हवा में गोली चलाने के लिए जिस हथियार का इस्तेमाल किया, वह गैर-कानूनी है या लाइसेंसी, इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है, जिसके बारे में पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कार्रवाई करेगी। उन्हें बताया गया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ आरोपी महज 24 घंटे के अंदर दोबारा गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच 19 ने चंडीगढ़ से दबोचा

सैक्टर-14 थाना टीम ने आरोपी चोर को गिरफ्तार कर 5 हजार कैश बरामद किया था, अस्पलात में उपचार हेतु लाई थी पुलिस, इसी दौरान हुआ था फरार

पंचकूला, यूटर्न, 14 जनवरी। पंचकूला पुलिस द्वारा तत्पर कार्रवाई करते हुए पुलिस हिरासत से फरार हुए चोरी के आरोपी को मात्र 24 घंटे के भीतर दोबारा गिरफ्तार कर एक बार फिर कानून के शिकंजे में लिया गया है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता द्वारा बताया गया कि पंचकूला निवासी एक शिकायतकर्ता, जो सब्जी बेचने का कार्य करता है, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 10

की कोशिश कर रहे आरोपी को खिलाफ 11 जनवरी को थाना रिमांड प्राप्त किया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपी से चोरी की गई राशि में से 5,000 रुपये नकद भी बरामद किए। 12 जनवरी को आरोपी के कान में दर्द की शिकायत पर पुलिस उसे उपचार हेतु पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित सामान्य नागरिक अस्पताल लेकर गई थी।

सरबजीत कौर मामला: 'तस्वीरें डिलीट करवाने' पाकिस्तान गई थी, वायरल ऑडियो ने बदली पूरी कहानी

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। पंजाब के कपूरथला जिले की 48 वर्षीय सिख महिला सरबजीत कौर के पाकिस्तान में लापता होने के मामले ने एक बार फिर नया और संवेदनशील मोड़ ले लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित ऑडियो क्लिप ने उनकी भारत वापसी को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है और अब तक सामने आई कहानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस ऑडियो में सरबजीत कौर अपने पूर्व पति से भावुक अपील करती सुनाई देती हैं और कहती हैं कि वह पाकिस्तान अपने नए पति नासिर हुसैन के पास मौजूद कुछ निजी तस्वीरें डिलीट करवाने के लिए गई थीं, न कि स्थायी रूप से वहां रहने के इरादे से। हालांकि इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इसमें झलकती बेबसी और पछतावा उनके परिवार की चिंता को

और गहरा कर रहा है। परिवार का कहना है कि यदि यह ऑडियो वास्तविक है, तो इससे साफ होता है कि सरबजीत कौर पाकिस्तान में अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि दबाव या परिस्थितियों के चलते रुकी हुई हैं। इस घटनाक्रम ने सोशल मीडिया, नागरिक अधिकार संगठनों और राजनीतिक हलकों में भी तीखी बहस छेड़ दी है। सरबजीत कौर नवंबर 2025 में गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के अवसर पर सिख तीर्थयात्रियों के एक जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थीं। धार्मिक यात्रा प्रोटोकॉल के तहत यह यात्रा तय समय पर पूरी हुई और लगभग सभी तीर्थयात्री सुरक्षित भारत लौट आए। लेकिन सरबजीत कौर का जत्थे के साथ वापस न आना कई सवाल छोड़ गया। बाद में जांच में सामने आया कि पाकिस्तान पहुंचने के बाद उन्होंने कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाया, नाम बदलकर नूर हुसैन रखा और पाकिस्तानी नागरिक नासिर हुसैन से शादी कर ली। इससे सहमति, दबाव और विवाह की परिस्थितियों को लेकर कानूनी और मानवीय सवाल खड़े हो गए। सूत्रों के अनुसार, तीर्थयात्री वीजा की अवधि समाप्त होने पर उन्हें भारत भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन अधूरे दस्तावेजों और कानूनी औपचारिकताओं के कारण यह अंतिम समय पर रुक गई।

ट्रिप मॉनिटरिंग से लेकर सोशल मीड़िया के सुरक्षित उपयोग तक, दुर्गा शक्ति रैपिड़ एक्शन फोर्स टीम ने छात्राओं को किया जागरुक

पंचकूला, यूटर्न, 14 जनवरी। पंचकूला पुलिस की दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स टीम ने चंडीकोटला स्थित एक सरकारी स्कूल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें छात्राओं को सुरक्षा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया और समझाया कि यदि देर रात कोई छात्रा या महिला ऐसे स्थान पर फंस जाती है, जहां परिवहन का कोई साधन उपलब्ध नहीं है, तो वह तुरंत डायल 112 पर कॉल कर सकती है। इस सुविधा के तहत पुलिस मौके पर पहुंचकर संबंधित महिला या छात्रा को सुरक्षित उसके

गंतव्य तक पहुंचाने में सहायता करती है। पुलिस ने छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को लेकर भी जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति से दोस्ती करना कई बार गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निजी जानकारी साझा करने से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। इसके साथ ही प्रशिक्षित महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा आत्मरक्षा से जुड़े उपायों और सतर्कता के तरीकों पर भी जानकारी दी गई, जिससे छात्राएं विपरीत परिस्थितियों में खुद की सुरक्षा कर सकें।

मकर संक्रांति के अवसर पर कड़ाके की सर्दी में 63 लोगों ने वीपीबीए मित्तल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में किया रक्तदान

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। मकर संक्रांति के अवसर पर वीपीबीए मित्तल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से मार्केट सेक्टर 29डी चंडीगढ़ में रक्तदान जागरूकता शिविर लगाया गया।रक्तदान शिविर का उद्घाटन वीपीबीए मित्तल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर बिजेंदर कुमार और सेंचुरियन ब्लड डोनर राजन रेखी के कर कमलों द्वारा किया गया और उन्होंने स्वयं भी रक्तदान किया। राजन रेखी ने आज 266वीं बार रक्तदान किया उन्होंने युवाओं का आहवान किया कि वह इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग ले और एक स्वस्थ व्यक्ति का इंसानी, नैतिक और सामाजिक दायित्व बनता है कि वह स्वंय को रक्तदान के लिए तैयार रखे। हर स्वस्थ व्यक्ति को इसलिए भी रक्तदान करना चाहिए क्योंकि रक्त का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। रक्तदान शिविर में कस्तूरी लाल बंसल, राकेश मिश्रा, तरसेम बंसल, डिंपल सिंगला का विशेष योगदान रहा। श्री शिव कावड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर रमेश नारंग एवं प्रधान राकेश कुमार संगर ने बताया कि आजकल लगभग सभी अस्पतालों में की वजह से रक्त एवं रक्त कंपोनेंट्स की बहुत कमी है और रक्तदान का मकसद उन मरीजों की मदद करना है जिनकी जिंदगी की डोर रक्त की कमी से कमजोर पड़ जाती है और रक्तदान शिविर लगाकर रक्त कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर श्री शिव कांवड़ महासंघ के लक्ष्मण सिंह रावत, गुलशन कुमार, विनीत जगोता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। रक्तदाताओं को प्रशंशा पत्र, समृति चिन्ह एवं बेज देकर प्रोत्साहित किया।

चंडीगढ़ में नौ साल में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया, शिमला से भी कम

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। चंडीगढ़ ने नौ साल में सबसे ठंडी रात का सामना किया, क्योंकि इस हफ्ते तापमान में कम से कम दो बार (सोमवार और बुधवार को) तेजी से गिरावट आई, जिससे ट्राईसिटी में ठंड बढ़ गई और रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हुई। शहर में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सोमवार को हिल स्टेशन शिमला से काफी ठंडा था, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार को भी बहुत ठंड और कोहरा था।बुधवार को, चंडीगढ़ में बहुत ठंडा दिन रहा, न्यूनतम तापमान काफी गिरकर लगभग 2.8°C से 3.8°C हो गया, जो इस मौसम की सबसे ठंडी रात/सुबह थी। तापमान में इस तेजी से गिरावट ने उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में फैली शीत लहर की तीव्रता को दिखाया।

कालका व मढ़ावाला में बिना नंबर प्लेट वाहनों पर सख्त कार्रवाई, 25 चालान, 1 वाहन इंपाउंड

पंचकूला, यूटर्न, 14 जनवरी। कालका व मढ़ावाला में बिना नंबर प्लेट चल रहे वाहनों के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि ऐसे वाहन किसी भी स्थिति में सड़कों पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। बिना नंबर प्लेट वाहन न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि अपराधों को अंजाम देने में भी अक्सर इस्तेमाल किए जाते हैं, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा पर सीधा

खतरा पैदा होता है।

सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक के नेतृत्व में विशेष नाकेबंदी कर बिना नंबर प्लेट वाहनों को चेक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने कुल 25 बिना नंबर प्लेट वाहनों के चालान काटे, जबकि गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 1 वाहन को मौके पर ही इंपाउंड किया गया। नाकेबंदी के दौरान क्षेत्र से गुजरने वाले प्रत्येक बिना नंबर प्लेट वाहन की सघन जांच की गई।

इस संबंध में एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि बिना नंबर प्लेट वाहनों का इस्तेमाल असामाजिक तत्वों व अपराधी गतिविधियों में किया जाता है, जिससे वाहन और चालक की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इसी वजह से ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने दो टूक शब्दों में कहा कि बिना नंबर प्लेट वाहन चलाना कानूनन अपराध है और ऐसे वाहन चालकों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 08 कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट से खुलासा...

मनरेगा अधिनियम में बदलाव से ग्रामीण अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी : कांग्रेस

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। चंडीगढ़ कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा कांग्रेस के फ्लैगशिप कार्यक्रम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) 2005 को कमजोर किए जाने के विरोध में सोमवार को सेक्टर-44 स्थित लेबर चौक पर धरना प्रदर्शन किया। धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, ग्रामीण क्षेत्रों के लोग और मजदूर वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए। धरने का नेतृत्व चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने किया। इस दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के सचिव एजाज चौधरी, नगर निगम के वरिष्ठ उपमहापौर जसबीर बंटी, उपमहापौर तरुणा मेहता, पार्षद सचिन गालव और चंडीगढ़ यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक लुबाना भी अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे।

धरने को संबोधित करते हुए एच.एस. लक्की ने कहा कि मनरेगा आम आदमी के अधिकार पर आधारित एक महत्वपूर्ण कानून है, जिसने ग्रामीण भारत में रोजगार और सशक्तिकरण की दिशा में अहम भूमिका निभाई है। यह योजना मांग आधारित थी, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई थी। जब भी पंचायत या ग्रामीण क्षेत्र में किसी कार्य की मांग की जाती थी, तो सरकार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बाध्य होती थी। इस योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मनरेगा को मांग आधारित योजना से हटाकर आपूर्ति आधारित बना दिया है, जिससे यह कार्यक्रम कमजोर हो जाएगा।

महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में वार्ड-4 में भाजपा का प्रदर्शन, फूटा जनआक्रोश

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। महिलाओं के खिलाफ कथित अत्याचार और पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को चंडीगढ़ के वार्ड नंबर-4 में जोरदार रोष प्रदर्शन किया। कुछ दिन पहले भाजपा पार्षद सुमन की भाभी को कथित तौर पर पंजाब सरकार द्वारा उनके घर से जबरन उठाए जाने की घटना को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा गया।

भाजपा की ओर से कॉलोनी में विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान 'आम आदमी पार्टी मुदार्बाद' और 'कांग्रेस मुदार्बाद' के नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। रैली को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि महिलाओं को डराने-धमकाने की राजनीति भाजपा कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र पर सीधा हमला हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसे मामलों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय टंडन ने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार या एक वार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मामले में जवाबदेही तय नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

डेराबस्सी में इमरजेंसी सेवाओं की पोल खुली, हादसे के शिकार को पैदल स्ट्रेचर पर लाना पड़ा अस्पताल

डेराबस्सी, यूटर्न, 14 जनवरी। आपातकालीन हालात में सेहत सुविधाएं कितनी तत्पर और कारगर हैं, इसकी हकीकत मंगलवार रात डेराबस्सी में सामने आई। सड़क हादसे में घायल एक युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाने के लिए राहगीरों को पैदल मशक्कत करनी पड़ी। हैरानी की बात यह रही कि सिविल अस्पताल घटनास्थल से महज 200 मीटर और पुलिस स्टेशन केवल 50 मीटर की दूरी पर था, इसके बावजूद एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी।

घटना मंगलवार रात करीब 9 बजे की है। पुलिस स्टेशन के समीप कॉलेज रोड पर एक युवक औंधे मुंह सड़क पर पड़ा मिला। वहां से गुजर रहे मोहित और उमेश शर्मा ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि युवक शराब के नशे में बेसुध पड़ा है, लेकिन पास जाकर देखा तो उसके सिर से काफी खून बह रहा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी और 108 एंबुलेंस सेवा पर कॉल की, लेकिन कॉल ही नहीं लग सकी।

दोनों युवक पैदल ही सिविल अस्पताल पहुंचे। इमरजेंसी में मौजूद सुरक्षा कर्मी और एक अन्य व्यक्ति ने उन्हें एंबुलेंस चालक को ढूंढने को कहा। अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंस के दरवाजे खटखटाए गए और आसपास पूछताछ भी की गई, लेकिन न तो चालक मिला और न ही कोई स्टाफ उपलब्ध हुआ। करीब 20 मिनट तक एंबुलेंस के लिए भटकने के बाद युवकों ने खुद इमरजेंसी से स्ट्रेचर उठाया और घटनास्थल की ओर ले गए। पुलिस की मदद से शव को कंबल में लपेटकर स्ट्रेचर पर रखा गया और पैदल ही वापस अस्पताल लाया जाने लगा।

इसी दौरान पुलिस की पीसीआर मौके पर पहुंच गई। इसके बाद स्ट्रेचर की बजाय शव को पीसीआर वाहन में डालकर डेराबस्सी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। एएसआई दिलबाग सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान 27 वर्षीय रोहित कुमार पुत्र भगवान देवी के रूप में हुई है, जो यूपी-बिहार मूल का रहने वाला था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मारी और वाहन उसकी छाती के ऊपर से गुजर गया, जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना के बाद राहगीरों ने स्वास्थ्य विभाग की इमरजेंसी सेवाओं पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि युवक जीवित होता तो समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण उसकी जान बचाना बेहद मुश्किल हो जाता।

हरियाणा में बेसहारा कुत्तों के हमलों पर सरकार का बड़ा कदम, मुआवजा नीति लागू; आश्रय स्थलों का निर्माण शुरू

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। हरियाणा में बेसहारा कुत्तों और अन्य आवारा पशुओं के बढ़ते हमलों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने पीड़ितों के लिए राहत योजना को और सख्त व प्रभावी बना दिया है। अब कुत्ते के काटने, गंभीर चोट, दिव्यांगता या मृत्यु की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार की नई व्यवस्था के अनुसार, कुत्ते के काटने की सामान्य घटना पर न्यूनतम 10 हजार रुपये, त्वचा फटने या गंभीर जख्म की स्थिति में 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। वहीं, कुत्ते के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता होने पर पीड़ित परिवार को अधिकतम 5 लाख रुपये तक का मुआवजा मिलेगा। इस सहायता को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में उपायुक्त की अध्यक्षता में विशेष समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी और योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। प्रदेश सरकार ने सड़कों पर घूम रहे लावारिस कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए शहरों और कस्बों में पशु आश्रय स्थल बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एक आकलन के अनुसार, हरियाणा में चार लाख से अधिक आवारा कुत्ते सड़कों पर घूम रहे हैं। दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु)-2 के तहत यह लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है।

वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. नवनीत कुमार ने दीपक हॉस्पिटल ज्वाइन किया

लुधियाना, यूटर्न, 14 जनवरी। कान-नाक-गला (ENT) रोगों के क्षेत्र में वर्षों का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. नवनीत कुमार ने बुधवार को सराभा नगर स्थित दीपक हॉस्पिटल को आधिकारिक रूप से ज्वाइन कर लिया। इससे पहले डॉ. नवनीत कुमार लंबे समय तक सीएमसी हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं देकर हजारों मरीजों को राहत प्रदान कर चुके हैं। दीपक हॉस्पिटल पहुंचने पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. परमजीत सिंह, डॉ. रमन सिंगला, डॉ. दिनेश गुप्ता, डॉ. योगेश कालड़ा सहित अस्पताल के कई वरिष्ठ चिकित्सक और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि डॉ. नवनीत कुमार के जुड़ने से दीपक हॉस्पिटल की ईएनटी सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी और मरीजों को एक ही छत के नीचे आधुनिक उपचार और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। डॉ. नवनीत कुमार ने भी दीपक हॉस्पिटल से जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य मरीजों को समय पर सही इलाज, परामर्श और बेहतर स्वास्थ्य देना है। डॉ. नवनीत कुमार के दीपक हॉस्पिटल से जुड़ने से शहर के मरीजों को ईएनटी रोगों के इलाज के लिए एक और विश्वसनीय और अनुभवी विकल्प मिलेगा, जिससे लुधियाना में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

Happy Birthday

Nivaan Khattar

Happy Birthday

Raj Kumari jain

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

मकर संक्रांति का महत्व और खिचड़ी खाने की परंपरा

मकर संक्रांति भारत का एक प्रमुख पर्व है, जिसे हर वर्ष जनवरी माह में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है और इसे शुभ परिवर्तन का संकेत माना जाता है। मकर संक्रांति से सूर्य कीउत्तरायण गति आरंभ होती है, जिसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। इस दिन से दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं, जो सकारात्मकता और नई ऊर्जा का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति का विशेष सामाजिक और कृषि महत्व भी है। यह पर्व किसानों के लिए नई फसल के आगमन की खुशी का समय होता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है, जैसे पंजाब में लोहड़ी, तमिलनाडु में पोंगल और गुजरात में उत्तरायण। इस दिन पतंग उड़ाने, दान-पुण्य करने और मेलों का आयोजन करने की परंपरा है। मकर संक्रांति पर खिचड़ी खाने की विशेष परंपरा है। खिचड़ी चावल और दाल से बनती है, जो पौष्टिकऔर सुपाच्य भोजन है। सर्दियों के मौसम में यह शरीर को गर्मी और ऊर्जा प्रदान करती है। साथ ही, यह सादा भोजन समानता और एकता का संदेश देता है जो कि हमारे धर्म की सादगी को और सादा जीवन उच्च विचार के साथ साथ हमारे देसी खाने में ही प्रोटीन और काबोर्हाइड्रेट की महत्तवता को भी दशार्ता है, इस प्रकार मकर संक्रांति न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Consumer Court में केस करने की समय-सीमा क्या है?

Consumer Court में जाने का अधिकार तो काफी लोगों को पता होता है, लेकिन उसकी समय-सीमा (Limitation Period) सबसे ज्यादा नजरअंदाज की जाती है। कई बार शिकायत पूरी तरह सही होती है, लेकिन केवल देर की वजह से मामला सुनवाई के योग्य ही नहीं माना जाता।

Consumer Protection कानून के अनुसार, **Consumer Complaint** दो साल के भीतर दाखिल की जानी चाहिए। यह दो साल की अवधि उस तारीख से गिनी जाती है, जब उपभोक्ता को नुकसान हुआ या जब सेवा में कमी सामने आई। उदाहरण के लिए, अगर **Insurance Claim** गलत तरीके से **reject** हुआ है, तो **Limitation** उसी **rejection** की तारीख से शुरू मानी जाती है। अक्सर लोग यह गलती कर बैठते हैं कि **Company** से पत्राचार, ई-**mail** या **Ombudsman** में शिकायत करते-करते समय निकल जाता है। बाद में जब **Consumer Court** जाते हैं, तो सबसे पहला सवाल यही होता है—शिकायत समय पर क्यों नहीं की गई? कानून यह मानता है कि उपभोक्ता को अधिकार है, लेकिन उस अधिकार के साथ समय की ज़िम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

हां, **Consumer Court** के पास यह अधिकार है कि उचित कारण होने पर देरी को माफ (**Condone**) कर सके। लेकिन यह अपने-आप नहीं होता। देरी का ठोस, वास्तविक और ईमानदार कारण बताना पड़ता है। केवल लापरवाही, अनदेखी या 'मुझे जानकारी नहीं थी' जैसे कारण आमतौर पर स्वीकार नहीं किए जाते।

इसलिए **Consumer Court** में जाने से पहले सबसे जरूरी सवाल यही होना चाहिए—दो साल पूरे तो नहीं हो गए?

अगर समय सीमा पास आ रही हो, तो पहले शिकायत दर्ज करना और बाद में विस्तार देना ज्यादा सुरक्षित तरीका माना जाता है।

निष्कर्ष : **Consumer Court** में अधिकार मजबूत है, लेकिन समय-सीमा उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। सही मामला भी अगर दो साल के बाद बिना उचित कारण दायर किया जाए, तो केवल देरी की वजह से खारिज हो सकता है। जागरूक उपभोक्ता वही है जो नुकसान के साथ-साथ समय का भी हिसाब रखता है—क्योंकि कानून अवसर देता है, लेकिन हमेशा इंतजार नहीं करता।

फिक्की फ्लो लुधियाना की पहल: वंचित बच्चों संग मनाया लोहड़ी-मकर संक्रांति उत्सव

लुधियाना, यूटर्न, 14 जनवरी। फिक्की फ्लो लुधियाना ने द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लैमर एंड लाइफस्टाइल स्टडीज (आईआईजीएलएस), रेड क्रॉस सोसाइटी, डू गुड फाउंडेशन और मैत्री बोध के सहयोग से बाल भवन, लुधियाना में वंचित बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों के साथ लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने विशेष रूप से शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें डिप्टी कमिश्नर ने फिक्की फ्लो टीम और आईआईजीएलएस के प्रतिनिधियों के साथ बच्चों को शुभकामनाएँ दीं और उनका उत्साह बढ़ाया। समारोह के दौरान बच्चों को उपयोगी सामग्री और उपहार वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी साफ झलकती रही।

आईआईजीएलएस के फैशन डिजाइनिंग और इंटीरियर डिजाइनिंग विभाग के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। फिक्की फ्लो लुधियाना की चेयरपर्सन श्वेता जिंदल ने छात्रों और टीम की सराहना करते हुए इसे सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण बताया।

कार्यक्रम के अंत में आईआईजीएलएस की निदेशक गीता नागरथ ने रेड क्रॉस सोसाइटी और सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। आयोजन एवं प्रायोजन जसलीन ननकाना द्वारा किया गया, जिनके प्रयासों से यह पर्व वंचित बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए यादगार बन सका।

लोहड़ी का प्यारा त्योहार ,तिल गुड़ की मिठास के संग हर जीवन में लाए खुशियाँ अपार

लुधियाना, यूटर्न, 14 जनवरी। भारतीय विद्या मंदिर, ऊधम सिंह नगर में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लोहड़ी का त्योहार बड़े चाव, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। लोहड़ी सिर्फ एक त्योहार ही नहीं, यह आपसी प्रेम, सहयोग और सांस्कृतिक सांझेदारी का प्रतीक भी है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने घर में ही अपने परिवार के साथ मिलकर अग्नि प्रज्वलित कर तथा गीत गाकर और लोक नृत्य के माध्यम से एक दूसरे को बधाई देकर लोहड़ी की खुशियों को सांझा किया। इस उपलक्ष में अध्यापिका सुश्री जसबीर कौर ने बड़े सुंदर ढंग से बच्चों को लोहड़ी के इतिहास और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी देते हुए लोहड़ी के महत्व के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने पेपर बोनफायर की गतिविधि के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा गुप्ता जी ने बच्चों को लोहड़ी के त्योहार की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि लोहड़ी का त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है तथा हम सबको अपने सभी त्योहार मना कर भाईचारे की भावना को विकसित करना चाहिए ।

श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ के भोग के साथ लोहड़ी पर मनाया गया पोते का पहला जन्मदिन

अभिषेक सूद/भाग सिंह अंटाल

घनौर, यूटर्न, 13 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष नियुक्त होने तथा अपने पोते युग्नवाब सिंह के पहले जन्मदिन के उपलक्ष्य में तेजिंदर सिंह रायपुर के निवास पर सरबत के भले के लिए श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ का भोग डाला गया। धार्मिक समागम के दौरान रागी जत्थे द्वारा मधुर कीर्तन से संगतों को निहाल किया गया। पाठ के भोग उपरांत गुरु का लंगर अटूट रूप से वितरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा की पूर्व विदेश राज्य मंत्री महारानी प्रनीत कौर, भाजपा जिला अध्यक्ष जसपाल सिंह भंगू गगरोली, भाजपा घनौर इंचार्ज विकास शर्मा, हरजिंदर सिंह सरवारा (मीत प्रधान भाजपा), पाखर सिंह कामी (कार्यकारिणी सदस्य, पंजाब किसान मोर्चा भाजपा), एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष जसवीर सिंह, अवतार सिंह (जिला मीत प्रधान) सहित भाजपा की पूरी टीम, बाबा तेजिंदर नाथ, गांववासी एवं क्षेत्रवासी विशेष रूप से उपस्थित रहे। लोहड़ी के पावन अवसर पर गांववासियों एवं भाजपा टीम द्वारा तेजिंदर सिंह लंबरदार को उनके पोते के पहले जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी गई।

पंजाब में दहशत फैलाने की साजिश: स्कूलों और अदालतों को फर्जी बम ईमेल से निशाना, कई जिलों में हाई अलर्ट

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। पंजाब में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब राज्य के कई जिलों—लुधियाना, अमृतसर, मोगा और फतेहगढ़ साहिब—में स्कूलों और अदालतों को बम से उड़ाने की फर्जी धमकियां मिलीं। धमकी भरे ईमेल मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और पूरे राज्य में एहतियाती सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

लुधियाना में जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स को बम की धमकी मिलने के बाद तत्काल परिसर को सील कर दिया गया। कोर्ट परिसर में आने-जाने पर रोक लगा दी गई और बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड तथा पुलिस टीमों ने कोर्टरूम, वकीलों के चैंबर, पार्किंग एरिया और आसपास के इलाकों की गहन तलाशी ली। कई घंटे चली जांच के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। लुधियाना डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन सग्गर ने बताया कि एहतियात के तौर पर पूरे दिन के लिए अदालती कामकाज निलंबित रखा गया। उन्होंने कहा, 'वकीलों, मुवक्किलों और कोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आज 'नो वर्क' का फैसला लिया गया।'

मोगा में एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस उपाधीक्षक गुरप्रीत सिंह ने बताया कि

छात्रों को सुरक्षित रूप से घर भेज दिया गया और स्कूल परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई और धमकी पूरी तरह फर्जी पाई गई।

इस बीच अमृतसर के कई स्कूलों में बम धमकी वाले ईमेल मिलने से अभिभावकों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों के अनुसार गांव मेहरबानपुरा स्थित एक सरकारी स्कूल, चीफ खालसा दीवान द्वारा संचालित हरकिशन स्कूल और एक निजी मिलेनियम स्कूल को धमकी भरे ईमेल मिले। ईमेल में स्कूल इमारतों को उड़ाने की धमकी दी गई थी और कथित तौर पर स्कूलों में राष्ट्रगान गाने पर आपत्ति जताई गई थी। धमकियों के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं, स्कूल परिसरों को सुरक्षित किया गया और बम निरोधक दस्तों को तैनात किया गया। साथ ही ईमेल भेजने वालों की पहचान के लिए साइबर टीमों ने जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट लिखे जाने तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई थी।

गौरतलब है कि 23 दिसंबर के बाद बुधवार को ही पंजाब में सरकारी स्कूल दोबारा खुले थे। अधिकारियों के मुताबिक छात्रों की उपस्थिति पहले से ही कम थी, जिससे किसी बड़ी अफरातफरी की स्थिति से बचाव हो सका।

पंजाब के लिए क्या मायने रखता है यह मामला...एक साथ कई जिलों में स्कूलों और अदालतों को निशाना बनाकर भेजे गए ये फर्जी धमकी भरे ईमेल राज्य में डर और अव्यवस्था फैलाने की साजिश की ओर इशारा करते हैं। भले ही धमकियां झूठी साबित हुई हों, लेकिन इनके चलते प्रशासन को बड़े पैमाने पर संसाधन झोंकने पड़े और न्यायिक व शैक्षणिक गतिविधियां बाधित हुईं। अमृतसर के ईमेल में राष्ट्रगान का उल्लेख इस मामले को और संवेदनशील बनाता है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि यह सिर्फ डर नहीं, बल्कि भावनाएं भड़काने की भी कोशिश हो सकती है।

लुधियाना, यूटर्न, 14 जनवरी। मकर संक्रांति पर राजेश जैन बॉबी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग पंजाब सरकार गोविंद गौतम हंबड़ा रोड में सेवा करते हुए। पतंगों की ऊंचाई के साथ बढ़े आपकी तरक्की, तिल-गुड़ के साथ रिश्तों में घुले मिठास, सुख, शांति और समृद्धि से भरा हो जीवन, और सूर्य देवता का प्रकाश, आपके जीवन को करे रोशन हर पल। मकर संक्रांति का यह पर्व लाए खुशियों की सौगात। आपको और आपके परिवार को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं।

ईरान पर हमला: ट्रंप को जोखिम, कानूनी और मानवीय सवालों का सामना

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। ईरान में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप या किसी भी नेता के सामने संभावित सैन्य कार्रवाई का निर्णय बेहद जटिल हो गया है। मिसाइल हमले या ठिकानों पर हवाई हमले से परे, इस फैसले में कानूनी, रणनीतिक और मानवीय पहलुओं का तौलना जरूरी है।

मुख्य सवाल यह है कि हमले से असल में क्या हासिल होगा—क्या यह ईरान की परमाणु क्षमता रोकने, प्रदर्शनकारियों के प्रति शासन को जवाबदेह ठहराने या देश की आंतरिक अस्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से होगा। सैन्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि सीमित हवाई हमले भी ईरान की क्षमताओं को खत्म नहीं

कर सकते और पूरे क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई का जोखिम बढ़ा सकते हैं। ईरान मिसाइल हमलों, प्रॉक्सी मिलिशिया और तेल मार्गों में रुकावट के जरिए अमेरिका पर हमला करने में सक्षम है, जिससे क्षेत्रीय संघर्ष का खतरा गंभीर हो सकता है।

देश के अंदर विरोध प्रदर्शन और सैकड़ों नागरिकों की कथित मौतों ने नैतिक और मानवीय दांव और बढ़ा दिए हैं। ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है, लेकिन सीधे मिलिट्री दखल का संकेत नहीं दिया। कानूनी पहलू भी चुनौतीपूर्ण हैं, क्योंकि अमेरिकी संविधान युद्ध की घोषणा की शक्ति कांग्रेस को देता है।

इतिहास बताता है कि बाहरी हमलों से कमजोर सरकारें कभी-कभी और मजबूत हो जाती हैं। ऐसे में ट्रंप को यह तय करना होगा कि हमला ईरान के लिए मददगार होगा या क्षेत्रीय और वैश्विक नतीजों को असंतुलित कर देगा। अमेरिका के सामने अब यह चुनौतियों, कानून और मानवीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने का कठिन मोड़ है।

दाखा पुलिस ने टू-व्हीलर को चाइना डोर से बचाने के लिए लगाई सेफ्टी तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जनवरी। मुल्लांपुर दाखा के डीएसपी वरिंदर सिंह खोसा ने के मेन चौक में टू-व्हीलर चालको को प्लास्टिक चाइना डोर से बचाने के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई लोहे के तार की शील्ड लगाई। इस मौके पर डीएसपी दाखा ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति चाइना डोर में उलझ जाता है, तो इससे वह बच सकता है। इसके अलावा डीएसपी दाखा ने बताया कि मुल्लांपुर दाखा, जोधां और सुधार पुलिस स्टेशनों के एरिया में पतंग बेचने वाले दुकानदारों के साथ मीटिंग की गई और उन्हें चाइना डोर बेचने से मना किया गया है और साथ ही पतंग बेचने वालों की दुकानों पर चेकिंग भी की जा

रही है। इलाके के गांवों/कस्बों में जाकर सरपंचों, पंचों और दूसरे खास लोगों की मौजूदगी में बच्चों को चाइना तार के खतरों के बारे में बताया जा रहा है और बच्चों के माता-पिता से भी अपील की जा रही है कि वे अपने बच्चों को चाइना डोर का इस्तेमाल न करने दें और अगर उनके इलाके में कोई चाइना तार बेचता है तो वे तुरंत पुलिस को बताएं, बताने वाले का नाम और पता गुप्त रखा जाएगा। डीएसपी ने बताया कि चाइना डोर का इस्तेमाल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पक्षियों के लिए भी बहुत जानलेवा है। उन्होंने बताया कि दाखा में चाइना डोर बेचने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और 10 प्लास्टिक डोर के बंडल बरामद किए गए हैं। नगर काउंसिल मंडी मुल्लांपुर के अधिकारियों के साथ मिलकर निर्देश दिए गए हैं कि मेन चौक, मंडी मुल्लांपुर फ्लाईओवर, रायकोट रोड फ्लाईओवर या शहर के दूसरे इलाकों में अगर ऊंची जगहों पर तार फंसा हुआ है तो उसे तुरंत हटा दिया जाए।

शैरी बंसल विकास बंसल परिवार के साथ लोहड़ी मनाते हुए।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट से खुलासा, लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क पर अंतरराष्ट्रीय अपराध फैलाने के आरोप

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। कनाडा की रॉयल माउंटेड पुलिस की एक गोपनीय सुरक्षा आकलन रिपोर्ट ने भारत से जुड़े एक संगठित अपराध नेटवर्क को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नेटवर्क अब बहुराष्ट्रीय आपराधिक ढांचे का रूप ले चुका है, जो कनाडा सहित कई देशों में सक्रिय रूप से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यह नेटवर्क जबरन वसूली, ड्रग तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई, मनी लॉन्ड्रिंग और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग जैसे गंभीर अपराधों से जुड़ा हुआ है। कनाडाई एजेंसियों ने इस गिरोह को एक लाभ-केन्द्रित आपराधिक संगठन करार दिया है, जिसका किसी विचारधारा या धार्मिक एजेंडे से सीधा संबंध नहीं बताया गया है।

कनाडाई जांच एजेंसियों का कहना है कि इस नेटवर्क का संचालन भारत की जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई द्वारा किया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वह अपने सहयोगियों और डिजिटल माध्यमों के जरिए विदेशों में भी आपराधिक गतिविधियों को निर्देशित करता रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं।

रिपोर्ट में जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का भी उल्लेख किया गया है। इस घटना के बाद कनाडा और भारत के संबंधों में तनाव देखने को मिला था। जांच के सिलसिले में चार लोगों की गिरफ्तारी हुई थी और पूछताछ अब भी जारी बताई जा रही है।

इसके अलावा सितंबर 2023 में मैनिटोबा के विन्निपेग में सुखदूल सिंह की हत्या को भी इसी आपराधिक नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार ये घटनाएं इस बात की ओर इशारा करती हैं कि संगठित अपराध अब सीमाओं की परवाह किए बिना काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह आशंका भी जताई गई है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय खुफिया तंत्र संगठित अपराध गिरोहों का इस्तेमाल रणनीतिक दबाव और लक्षित हमलों के लिए कर सकते हैं। यदि ऐसे आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सिद्धांतों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

कूटनीतिक संतुलन की चुनौती

इस खुलासे के बीच कनाडा सरकार भारत के साथ व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को सामान्य करने की कोशिशों में जुटी हुई है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की चेतावनियों के चलते यह प्रक्रिया और संवेदनशील हो गई है। एक तरफ सुरक्षा जोखिमों पर चिंता जताई जा रही है, तो दूसरी ओर राजनीतिक नेतृत्व रिश्तों में संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। कनाडा में सक्रिय सिख संगठनों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्ट और पारदर्शी रुख अपनाने की मांग की है। उनका कहना है कि संगठित अपराध और राजनीति का आपसी मेल आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का मानना है कि यह मामला अब केवल आपराधिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा, प्रत्यर्पण समझौतों और देशों के बीच खुफिया सहयोग की अहमियत को भी उजागर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों से आगे बढ़कर वैश्विक कानून व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

अखाड़ा नहर पीपल को बचाने के लिए ग्रीन पंजाब मिशन टीम ने उठाए कदम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जनवरी। आज लोहड़ी के दिन ग्रीन पंजाब मिशन टीम पेड़ों को बचाने और बचाने में एक्टिव दिखी। अखाड़ा नहर पर पुल बनने के बाद, टीम ने वहां एक पुराने और बड़े पीपल के पेड़ को बचाने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन से कॉन्टैक्ट किया। यह पीपल का पेड़ पुल से करीब 40 करमा दूर है और ट्रैफिक भी इससे करीब 22 करमा दूर से आता-जाता है। इसके बावजूद, कुछ खतरे की संभावना बताते हुए पेड़ को काटने की बात कही गई, जिसे रोकने के लिए आज ग्रीन पंजाब मिशन की टीम रूट जगराओं से मिलने पहुंची। रूट के न होने की वजह से टीम सुपरिंटेंडेंट सरबजीत सिंह से मिली। टीम मेंबर्स ने कहा कि पीपल का पेड़ काफी दूर है और इससे किसी तरह का ट्रैफिक का खतरा नहीं है। फिर भी, अगर एडमिनिस्ट्रेशन को कोई चिंता है, तो ग्रीन पंजाब मिशन की टीम पीपल के चारों ओर बाउंड्री बनाने और रिफ्लेक्टर लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम ने सिर्फ प्रशासन से इजाजत मांगी और इस पुराने पीपल के पेड़ को हर कीमत पर बचाने की अपील की। इस मौके पर मेजर सिंह छीना, हरनारायण सिंह मल्लेआना, सतपाल सिंह देहरका, गगनदीप सिंह गरचा, मैडम कंचन गुप्ता, रणजीत कौर रिहाल, अनीता जुनेजा, पिंदर (जगराओं) और इकबाल सिंह वगैरह मौजूद थे।

ईरान में हालात बिगड़े: तेहरान स्थित भारतीय दूतावास की नई एडवाइजरी, भारतीयों से तुरंत देश छोड़ने की अपील

चंडीगढ़, यूटर्न, 14 जनवरी। ईरान में लगातार बिगड़ते हालात और व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए एक कड़ी और ताजा एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने ईरान में रह रहे भारतीय छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों से उपलब्ध सभी परिवहन साधनों — जिनमें कमर्शियल फ्लाइट्स भी शामिल हैं — के जरिए तत्काल देश छोड़ने का आग्रह किया है। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि यह चेतावनी देश में लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए जारी की गई है। सभी भारतीय नागरिकों और PIO (Persons of Indian Origin) से अत्यधिक सतर्कता बरतने और विरोध-प्रदर्शन वाले इलाकों से पूरी तरह दूर रहने को कहा गया है। भारतीय दूतावास ने नागरिकों से अपील की है कि वे दूतावास के निरंतर संपर्क में रहें और स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर बनाए रखें। साथ ही, सभी से अपने यात्रा और इमिग्रेशन दस्तावेज—जैसे पासपोर्ट और पहचान पत्र—हमेशा तैयार रखने को कहा गया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक दूतावास की वेबसाइट पर उपलब्ध रजिस्ट्रेशन लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत करें। यदि इंटरनेट सेवाओं में बाधा के कारण ऐसा संभव न हो, तो भारत में मौजूद उनके परिजनों से यह प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि बीते दो सप्ताह से ईरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। हालात पर काबू पाने के लिए सरकार ने संचार ब्लैकआउट लागू किया है, जबकि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर ईरान को अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, अब तक इन प्रदर्शनों में कम से कम 2,571 लोगों की मौत हो चुकी है।

लुधियाना में मकर संक्रांति पर बड़ा हादसा

धार्मिक स्थल में बांटा गया गजरेला खाने से 50 बीमार, फूड पॉइजनिंग की पुष्टि

लुधियाना, यूटर्न, 14 जनवरी। पंजाब के लुधियाना में मकर संक्रांति के दिन बड़ा स्वास्थ्य हादसा सामने आया, जब गांव अयाली कलां के धार्मिक स्थल में प्रसाद के रूप में बांटा गया गजरेला (गाजर का हलवा) खाने से करीब 50 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। गजरेला खाने के कुछ ही समय बाद लोगों को उल्टी, दस्त, चक्कर और बेहोशी की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने पर पीड़ितों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की तरह इस बार भी गांव के धार्मिक में मकर संक्रांति के अवसर पर विशेष समागम आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी दौरान प्रसाद में गजरेला वितरित किया गया, जिसे खाने के बाद लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल में भर्ती बुजुर्ग महिला मंजीत कौर ने बताया कि वह गुरुद्वारे से गजरेला घर लाई थीं। परिवार के सभी सदस्यों ने 2-3 चम्मच गजरेला खाया। सुबह करीब 8 बजे खाने के बाद 9 बजे उन्हें तेज उल्टियां शुरू हो गईं और दवा लेने जाते समय वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। वहीं, गुरप्रीत कौर ने बताया कि उनकी सास गुरुद्वारे से गजरेला लाई थीं। गजरेला खाने के बाद उन्हें और उनके बेटे को उल्टियां होने लगीं और मेडिकल शॉप पर दोनों बेहोश हो गए।

डॉक्टरों ने फूड पॉइजनिंग की पुष्टि की

रघुनाथ अस्पताल की डॉक्टर मंदीप कौर ने बताया कि उनके पास 35 से 40 मरीज पहुंचे, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को फूड पॉइजनिंग हुई है। मरीजों के अनुसार गजरेला 2-3 दिन पहले बनाया गया था, जिसके कारण उसमें संक्रमण या जहरीला तत्व पनप गया। उन्होंने बताया कि जिन्होंने ज्यादा मात्रा में गजरेला खाया, उनमें लक्षण ज्यादा गंभीर हैं।

गुरुद्वारा प्रबंधन ने झाड़ा पल्ला

गुरुद्वारा के मैनेजर गुरचरण सिंह ने कहा कि गजरेला गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से नहीं बांटा गया था। कुछ ग्रामीण हर साल आपस में पैसे इकट्ठा कर लंगर लगाते हैं और उसी दौरान गजरेला प्रसाद बांटा गया। उनके अनुसार, एक घंटे बाद जब लोगों ने बीमार होने की सूचना दी, तो तुरंत अनाउंसमेंट कर गजरेला न खाने की अपील की गई। उन्होंने यह भी कहा कि लंगर लगाने की कोई आधिकारिक अनुमति नहीं ली गई थी और पुलिस से पूरे मामले की जांच करने को कहा गया है।

पुलिस जांच में जुटी, सभी मरीज खतरे से बाहर

सराभा नगर थाना के SHO आदित्य शर्मा ने बताया कि सभी मरीज अब खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने मौके का जायजा लिया है और सैंपल लेकर जांच कराई जा रही है। जो भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर लापरवाही और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है, वहीं प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के लिए भी यह एक बड़ी चेतावनी मानी जा रही है।